ब्रह्मोस के उत्पादन को लखनऊ तैयार

राज्य ब्यूरो, जागरण, लखनऊ: भारत-पाकिस्तान में तनाव के बीच 11 मई से लखनऊ में ब्रह्मोस मिसाइल का निर्माण शुरू होगा। सबसे विध्वंसक मानी जाने वाली सुपरसोनिक क्रूज मिसाइल 'ब्रह्मोस' का निर्माण लखनऊ में शुरू होने के बाद उत्तर प्रदेश के साथ भारत की सामरिक क्षमता में बढ़ोतरी होगी। ब्रह्मोस एयरोस्पेस द्वारा लखनऊ में 300 करोड़ रुपये की लागत से स्थापित किया गया प्लांट भारत को आत्मनिर्भर रक्षा प्रणाली की दिशा में एक बड़ी उपलब्धि दिलाने वाला साबित होगा।

उत्तर प्रदेश एक्सप्रेसवे औद्योगिक विकास प्राधिकरण (यूपीडा) के एसीईओ हरि प्रताप शाही ने बताया कि प्रदेश सरकार की ओर से ब्रह्मोस मिसाइल के निर्माण के लिए 80 हेक्टेयर भूमि निश्शुल्क उपलब्ध कराई गई है। साढ़े तीन वर्षों में यह प्लांट मिसाइल के निर्माण के लिए तैयार है। लखनऊ नोड पर ब्रह्मोस के

साथ ही अन्य रक्षा उपकरणों का निर्माण किया जाएगा। ब्रह्मोस मिसाइल का यह प्लांट राज्य का पहला अत्याधुनिक और हाईटेक प्लांट होगा। इससे उत्तर प्रदेश के रक्षा औद्योगिक गलियारे में एयरोस्पेस से जुड़ी इकाइयों और उद्योगों का विकास होगा। इस प्लांट से करीब 500 इंजीनियरों और अन्य कर्मचारियों को सीधे काम मिलेगा। इसके अलावा, कई हजार कुशल, अर्द्ध-कुशल और सामान्य काम करने वाले लोगों को भी परोक्ष रूप से रोजगार के अवसर मिलेंगे। ब्रह्मोस एयरोस्पेस की स्थापना भारत सरकार के रक्षा मंत्रालय के अधीन रक्षा अनुसंधान और विकास संगठन (डीआरडीओ) और रूस की कंपनी एनपीओ मशीनोस्त्रोयेनिया के संयुक्त उद्यम के रूप में की गई थी। ब्रह्मोस एयरोस्पेस की स्थापना भारत की ओर से 50.5 प्रतिशत और रूस की ओर से 49.5 प्रतिशत हिस्सेदारी के साथ की गई थी। यह अपने प्रकार का पहला रक्षा संयुक्त उद्यम है जिसे भारत सरकार ने किसी विदेशी सरकार के साथ मिलकर स्थापित किया है।